जोधपुर में महापौर प्रसन्नचंद मेहता ने विधिवत काम शुरू किया

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर के महापौर प्रसन्नचंद मेहता ने बुधवार को शुभ मुहूर्त में नगर निगम कार्यालय पहुंचकर विधिवत रूप से कामकाज शुरू किया, वहीं उप महापौर विजय सिंह पंवार ने भी बुधवार को कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत अभिनंदन किया।

महापौर प्रसन्नचंद मेहता ने बताया कि उन्होंने पहले ही महापौर का कार्यभार ग्रहण कर लिया था, लेकिन सनातन संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप नवरात्रि के अवसर पर विधिवत कामकाज शुरू करने का निर्णय लिया था। इसी के तहत अब वे नियमित रूप से निगम कार्यालय में बैठकर शहरवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए काम करेंगे।

महापौर ने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में वे प्रतिदिन सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक नगर निगम कार्यालय में बैठेंगे।

इस दौरान आमजन, पार्षदों और कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से निगम से जुड़े कार्यों के लिए लोगों को चक्कर लगाने पड़ते हैं। उनका प्रयास रहेगा कि लोगों को अपने जायज कामों के लिए बार-बार निगम कार्यालय नहीं आना पड़े। यदि किसी आवेदन या कार्य में कोई कमी होगी, तो संबंधित व्यक्ति को स्पष्ट रूप से इसकी जानकारी दी जाएगी, ताकि आवश्यक दस्तावेज या औपचारिकताएं पूरी कर समस्या का समाधान किया जा सके।

व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना प्राथमिकता

महापौर ने बताया कि आगामी त्योहारों को देखते हुए शहर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना उनकी प्राथमिकता है। सडक़ों के गड्ढे भरने, खराब स्ट्रीट लाइट ठीक करने, आवश्यकता के अनुसार नई लाइटें लगाने और सफाई व्यवस्था सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नवरात्रि, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहारों पर शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलें तथा वे स्वच्छ और रोशन वातावरण में उत्साह के साथ पर्व मना सकें, इसके लिए निगम की टीमें लगातार काम कर रही हैं।

■ उप महापौर विजय सिंह पंवार ने भी बुधवार को कार्यभार ग्रहण किया

उन्होंने बताया कि शहर के 100 वार्डों में स्ट्रीट लाइट से संबंधित लगभग 80 प्रतिशत समस्याओं का समाधान किया जा चुका है। सडक़ों पर गड्ढों को भरने के लिए जगह-जगह मरम्मत कार्य भी करवाए जा रहे हैं। इसके साथ ही आज से शहर के सभी 100 वार्डों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है।

महापौर ने कहा कि अभियान के माध्यम से शहर की गलियों, सडक़ों और सार्वजनिक स्थानों पर सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। सीवरेज की समस्या पर महापौर ने कहा कि शहर में यह एक गंभीर और पुरानी समस्या है, जिसके स्थायी समाधान के लिए समय और योजनाबद्ध प्रयासों की आवश्यकता होगी। हालांकि, त्योहारों के दौरान सडक़ों पर गंदा पानी बहने और गंदगी जमा होने की समस्या को कम करने के लिए प्राथमिकता से काम किया जाएगा, ताकि आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

महापौर ने नगर निगम परिसर में चल रहे सेवा सेतु अभियान शिविर का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देश दिए। महापौर ने निगम अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी कि शिविर के दौरान जो भी कार्य नियमानुसार किए जा सकते हैं, उन कार्यों में अनावश्यक रूप से विलंब न किया जाए और उन प्रकरणों का तुरंत निस्तारण हो।

उन्होंने कहा कि शिविर में अब महज 2 दिन का समय बचा है, इसलिए आमजन को इसका अधिक से अधिक लाभ मिले, इसके लिए अतिरिक्त प्रयास करें। इधर उपमहापौर विजय सिंह पंवार कार्यभार संभालने के बाद कहा कि शहर में बदलाव के लिए जमीनी स्तर पर काम शुरू हो चुका है।

आज से सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है। सफाई कार्यों में उपयोग होने वाले वाहनों को भी चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। दीपावली से पहले पूरे शहर को स्वच्छ और रोशन बनाना प्राथमिकता है। त्योहार के बाद सभी पार्षदों और अधिकारियों के साथ बैठक कर दीर्घकालीन विकास योजनाएं तैयार की जाएंगी।

यौन प्रताड़ना के आरोपी की इंस्टाग्राम चैट्स में हुए कई खुलासे

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर की आयुर्वेद यूनिवर्सिटी में छात्राओं से अश्लीलता और यौन प्रताड़ना मामले में आरोपी की इंस्टाग्राम चैट्स सामने आई हैं।

■ जोधपुर की आयुर्वेद यूनिवर्सिटी में यौन उत्पीड़न का मामला

इन चैट्स में आरोपी प्रोफेसर ने छात्रा को लिखा- तेरी ड्रेस और तेरी आंखों को देखा तो मुझसे रहा नहीं गया, तू मेरी दोस्त बनेगी? कॉलेज में किसी को पता नहीं चलेगा, तू परीक्षा की चिंता मत कर, मैं तुझे पास करवा दूंगा।

दरअसल, आयुर्वेद यूनिवर्सिटी के बर्खास्त प्रोफेसर के खिलाफ 10 अक्टूबर को कॉलेज में छात्राओं के प्रदर्शन किया था। छात्राओं ने प्रोफेसर पर प्रैक्टिकल में पास कराने के नाम पर अश्लील मैसेज भेजने, शरीर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने, जबरन मोबाइल लेकर नंबर और सोशल मीडिया आईडी हासिल करने जैसे आरोप लगाए गए थे। 11 अक्टूबर को थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। इसके बाद आरोपी प्रोफेसर को बर्खास्त कर दिया गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था।

पाली में संगीतमय रामलीला शुरू



पाली में रामलीला के प्रथम दिन रावण, कुंभकर्ण और विभीषण की तपस्या सहित अनेक प्रसंगों का सजीव मंचन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। श्री रामलीला कमेटी की ओर से रामलीला मैदान में आयोजित 51वीं संगीतमय रामलीला का शुभारंभ सोमवार को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। प्रथम दिन मंच पर रामायण का पूजन किया गया। इसके बाद अतिथियों, कमेटी अध्यक्ष, सचिव एवं निर्देशक द्वारा पर्दा उठाकर रामलीला का शुभारंभ किया गया। गणपति वंदना के साथ नाट्यय मंचन प्रारंभ हुआ।

प्रथम दृश्य में रावण, कुंभकर्ण और विभीषण वन में वरदान प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या करते हैं। उधर, मृत्युलोक में देवर्षि नारद का आगमन होता है। तीनों भाइयों को तपस्या करते देखकर नारद चिंतित हो जाते हैं। उन्हें आशंका होती है कि यदि कुंभकर्ण को अधिक समय तक जागते रहने का वरदान मिल गया, तो परिस्थितियां बदल सकती हैं। वे अपने पिता ब्रह्माजी के पास पहुंचकर पूरी बात बताते हैं। ब्रह्माजी सरस्वतीजी को बुलाकर उन्हें स्थिति से अवगत कराते हैं।

रावण और वेदवती का प्रसंग मंचित किया गया। रावण द्वारा वेदवती को अपवित्र करने के प्रयास से क्रोधित वेदवती उसे श्राप देती हैं कि वह अगले जन्म में उसकी मृत्यु का कारण बनेंगी। कलाकारों ने रावण के अहंकार और उसके विनाश की भविष्यवाणी को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। अगले दृश्य में राजा दशरथ के शिकार पर जाने के दौरान भ्रमवश श्रवण कुमार की हत्या का मार्मिक प्रसंग दिखाया गया। श्रवण कुमार के माता-पिता द्वारा राजा दशरथ को श्राप देने के दृश्य ने दर्शकों को भावुक कर दिया।

रामलीला में देवर्षि नारद और भगवान विष्णु के संवाद का भी सुंदर मंचन हुआ। नारदजी भगवान विष्णु से उनकी लीला के रहस्य के बारे में प्रश्न करते हैं। वे रावण को वेदवती द्वारा श्राप दिए जाने और श्रवण कुमार के माता-पिता द्वारा राजा दशरथ को श्राप देने की घटनाओं के संबंध में जिज्ञासा प्रकट करते हैं। इन प्रसंगों के माध्यम से कलाकारों ने भगवान की लीला और आगे होने वाली घटनाओं की भूमिका को प्रस्तुत किया।

रामलीला के दौरान कलाकारों ने संवाद, अभिनय और संगीत के माध्यम से पौराणिक प्रसंगों को जीवंत बना दिया। प्रथम दिन के मंचन में कमेटी पदाधिकारियों एवं कलाकारों का सराहनीय सहयोग रहा।

इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष परमेश्वर जोशी, उपाध्यक्ष एम.एम. बोडा, नीलम बंसल, सचिव हिरालाल व्यास, रामावत, निर्देशक हरिचरण वैष्णव, सह-निर्देशक गणेश परिहार तथा उद्घोषक देवीलाल पंवार , संगीतकार दिगम्बर व्यास, राजेन्द्र सिंह सोढा सहित अन्य सदस्यों ने सहयोग किया। मंच पर घनश्याम भाटी, जीवराज चौहान, जयश शर्मा, लक्की खान, मांगू सिंह दुदावत, अंकित शर्मा, देवीलाल पंवार, ज्ञानचंद राठौड़, गोविन्द गोयल, सुमित्रा राजपुरोहित, अनामिका राजपुरोहित और कंचन दासानी सहित कलाकारों ने पात्रों का सजीव अभिनय कर दर्शकों की सराहना प्राप्त की।

उत्तर पश्चिम रेलवे के सतर्कता विभाग की बैठक आयोजित

जोधपुर, (कासं) । उत्तर पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी शिवेंद्र मोहन ने बुधवार को अपने जोधपुर निरीक्षण दौरे के दौरान मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक ली।

बैठक में सतर्कता जागरूकता, पारदर्शिता, ईमानदारी एवं जवाबदेही से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा के साथ ही आगामी सतर्कता जागरूकता सप्ताह की तैयारियों और तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई।

इस अवसर पर शिवेंद्र मोहन ने अधिकारियों को केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने तथा रेलवे की कार्यप्रणाली में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक निर्णय नियमों के अनुरूप,प्रत्येक प्रक्रिया पारदर्शी तथा प्रत्येक कर्मचारी अपने दायित्वों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। निवारक सतर्कता को दैनिक कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाकर अनियमितताओं की संभावनाओं को प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त किया जाना चाहिए।

उन्होंने लंबित शिकायतों एवं मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने, कार्यप्रणाली में डिजिटल माध्यमों के अधिकाधिक उपयोग से पारदर्शिता बढ़ाने तथा कर्मचारियों में सतर्कता के प्रति जागरूकता विकसित करने पर जोर दिया। उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय एवं जोधपुर मंडल की ओर से सतर्कता संबंधी गतिविधियों और कार्यों की प्रगति पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।

बैठक के प्रारंभ में मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक करनी राम ने सतर्कता अधिकारियों का साफा पहनाकर एवं स्वागत पौधा भेंट कर अभिनंदन किया।

बैठक में जानकारी दी गई कि इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक सत्यनिष्ठा से समृद्धि थीम पर मनाया जाएगा। इस दौरान शपथ ग्रहण समारोह,जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं एवं जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। बैठक में इन कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक संचालित तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी, मुख्य सतर्कता अधिकारी (इलेक्ट्रिक व सिंग्नल) अतुल कुमार सिंह,मुख्य सतर्कता अधिकारी (स्टोर, मेडिकल व मैकेनिकल), अमित राणा, मुख्य सतर्कता अधिकारी(इंजिनियरिंग) सत्यनारायण यादव,उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (लेखा)अरविन्द कुमार,उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (कार्मिक) सुरेन्द्र सिंह बारहठ,उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (ट्रैफिक)डॉ. सीमा विश्नोई,अपर मंडल रेल प्रबंधक करणी राम,मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति) सुनील कुमार,मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.सीताराम बुनकर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक का संचालन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिषेक गांधी ने किया।

गजेंद्र शेखावत ने भजन गायक रामचंद्र गोयल को श्रद्धांजलि दी

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में अल्प प्रवास के दौरान वरिष्ठ भजन गायक स्वर्गीय रामचंद्र गोयल के निवास पर पहुंचकर उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने स्वर्गीय गोयल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें ढांढ़स बंधाया। केंद्रीय मंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिरशांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

शेखावत ने कहा कि वरिष्ठ भजन गायक रामचंद्र गोयल का निधन मारवाड़ के लिए अपूरणीय क्षति है। राजस्थान में भक्ति संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके निधन से भक्ति संगीत की एक सुरीली आवाज थम गई है। उनकी मधुर आवाज और भजनों के माध्यम से जनमानस में जगाई गई भक्ति की भावना सदैव लोगों की स्मृतियों में जीवंत रहेगी। शेखावत ने स्वर्गीय रामचन्द्र गोयल के पुत्र लक्ष्मीकांत गोयल तथा पुत्री डा. विजय लक्ष्मी गोयल सहित पूरे शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते संवेदना प्रकट की।

जालोर में मांगों के लिए कर्मचारियों ने रोष जताया

जालोर, (का.सं.)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के नेतृत्व में बुधवार को जिला मुख्यालय जालोर में जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार के नाम ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों एवं शिक्षकों के लंबित भुगतान तत्काल जारी करने की मांग की गई। महासंघ जिलाध्यक्ष रामनिवास साहू के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में राज्य सरकार द्वारा समर्पित अवकाश के नकदीकरण, वेतन भुगतान, जीपीएफ एवं एसआई की राशि को अप्रैल माह से रोके जाने पर गहरा रोष व्यक्त किया गया।

महासंघ सभाध्यक्ष दलपत सिंह आर्य ने कहा कि सरकार समय रहते समस्त बिलों का तय समय में करे अन्यथा आने वाले समय में कर्मचारी सरकार से दो दो हाथ करेगा रमेश देवासी ग्राम विकास अधिकारी संघ,कैलाश कड़वासरा जिला मंत्री , मोहनलाल खीचड़ ,धनराज देव , विशनाराम देवासी, रामलाल कुराड़ा, रामजीवन सांख्यिकी विभाग, हरिराम बुरड़क अध्यक्ष बागोड़ा, प्रेमाराम पूनिया अध्यक्ष ब्लॉक सरनाऊ, घमाराम सारण, हडुमान कुराड़ा जवारा राम मेघवाल, पूनमचंद कड़वासरा, मानाराम मीणा, मोहनलाल खीचड़, सुरेंद्र कुराड़ा, हिमता राम राणा, राजेंद्र कुराड़ा, सवाराम चौधरी पूनमाराम पटेल, सूजाराम चौधरी हिम्मताराम बोहरा अध्यक्ष आहोर,खीयाराम कुराड़ा, सुरेश खीचड़ भोमाराम जाखड़, रमेश चौधरी,नरेश कुमार , सोहनलाल पुनिया, चौथा राम बोला, भाणा राम देवासी, प्रेम विश्नोई,हरिराम सारण, विरमाराम चौधरी,दिनेश पालड़िया, ललित कुमार सूरीयाल, मफाराम आदि मौजूद रहे।

जवाहर अस्पताल में जल भराव की समस्या का समाधान होगा

जैसलमेर, (नि.सं.)। श्री जवाहर राजकीय चिकित्सालय में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए नगर परिषद ने बोरवेल निर्माण का कार्य शुरू करवाया है। सभापति विजय डांगरा ने विधि-विधान से भूमि पूजन कर तथा श्रीफल फोड़कर कार्य का शुभारंभ किया। करीब 6.95 लाख रुपए की लागत से होने वाला यह कार्य अस्पताल परिसर में बरसाती पानी की निकासी को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

■ सभापति विजय डांगरा ने कार्यका भूमि पूजन किया

भूमि पूजन के दौरान पंडित कमल पालीवाल ने मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक विधियां संपन्न करवाईं। सभापति विजय डांगरा ने श्रीफल फोड़कर बोरवेल निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष एवं वार्ड संख्या 5 के पार्षद अरुण पुरोहित,सभापति के मित्र एवं समाजसेवी तरुण गोलकिया, वार्ड संख्या 35 की पार्षद सुशीला देवी जेठा के पति एवं समाजसेवी नारायण जेठा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जवाहर अस्पताल परिसर में बारिश के दौरान पानी जमा होने से मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जलभराव के कारण अस्पताल परिसर में आवागमन भी प्रभावित होता है। ऐसे में बोरवेल निर्माण से बरसाती पानी के जमाव को कम करने और निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने की उम्मीद है।

सभापति विजय डांगरा के कार्यकाल में अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुविधा से जुड़ी समस्या के समाधान के लिए कार्य शुरू होना नगर परिषद की नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कदम है। अब बोरवेल निर्माण पूरा होने और उसके संचालन के बाद ही पता चलेगा कि इससे जलभराव की समस्या पर कितना प्रभावी नियंत्रण हो पाता है।

नगर परिषद के अधिशासी अभियंता विनोद सोलंकी ने बताया कि जवाहर अस्पताल में करीब एक दशक से प्रतिवर्ष बरसाती पानी एकत्र होने की समस्या सामने आ रही है। बोरवेल बनने से इस पानी की निकासी में मदद मिलेगी। इससे आमजन के साथ अस्पताल प्रशासन को भी राहत मिलेगी।

मनीषा पंवार ने राज्य सरकार को कोसा

जोधपुर, (कासं) । राजस्थान में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर जोधपुर शहर की पूर्व विधायक मनीषा पंवार ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। पूर्व भाजपा विधायक अतर सिंह भड़ाना की हत्या की घटना का हवाला देते हुए पंवार ने कहा कि जब जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं, तो आम आदमी की सुरक्षा की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने प्रदेश में बढ़ती आपराधिक घटनाओं, लूटपाट, चेन स्नेचिंग, मारपीट और हत्या के मामलों के साथ महिलाओं के खिलाफ अपराध तथा युवतियों के लापता होने की घटनाओं पर भी चिंता जताई। पंवार ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है।

अपराधियों में कानून का भय कम होने और पुलिस-प्रशासन की प्रभावशीलता पर सवाल उठने से आमजन में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम कर लोगों में सुरक्षा का विश्वास कायम करना भी जरूरी है।

पूर्व विधायक ने कहा कि पूर्व भाजपा विधायक अतर सिंह भड़ाना की हत्या जैसी गंभीर घटना प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

पाली में 99 जनों को वितरित किए 138 नाम निर्देशन पत्र

पाली , (नि.सं.)। पंचायती राज आम चुनाव 2026 के तहत पाली पंचायत समिति क्षेत्र में द्वितीय चरण के मतदान को लेकर चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। बुधवार को पंचायत समिति परिसर में नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी। पंचायत समिति सदस्य पद के लिए नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने और जमा करवाने को लेकर अभ्यर्थियों में उत्साह देखने को मिला। बुधवार तक 99 व्यक्तियों को कुल 138 नाम निर्देशन पत्र वितरित किए जा चुके हैं, जबकि पंचायत समिति सदस्य पद के लिए कुल 14 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं।

16 अक्टूबर तक जमा होंगे नामांकन

रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी पाली विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि पंचायत समिति सदस्य पद के चुनाव के लिए बुधवार तक 99 व्यक्तियों को कुल 138 नाम निर्देशन पत्र वितरित किए गए हैं। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए नामांकन पत्र प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। नाम निर्देशन पत्र राजकीय अवकाशों को छोड़कर प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्राप्त किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि नामांकन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को दोपहर 3 बजे तक अपने नामांकन पत्र जमा करवा सकेंगे। अंतिम तिथि नजदीक आने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है।

रिटर्निंग अधिकारी राणावत के अनुसार बुधवार को पंचायत समिति सदस्य पद के लिए विभिन्न वार्डों से अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र प्रस्तुत किए। इनमें वार्ड संख्या 11 से गवरी, वार्ड संख्या 13 से रेखा, वार्ड संख्या 8 से सविता, वार्ड संख्या 4 से भूपेन्द्र परिहार, वार्ड संख्या 8 से रेखा, वार्ड संख्या 14 से केसी देवी, वार्ड संख्या 15 से दुर्गेश कंवर, वार्ड संख्या 7 से ताराराम, वार्ड संख्या 16 से प्रेमलता, वार्ड संख्या 12 से कंचन तथा वार्ड संख्या 13 से रीतिका सागर हैं।

पंचायत समिति परिसर में नामांकन प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से संपादित करने के लिए चुनाव शाखा के कार्मिक व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। अभ्यर्थियों को नाम निर्देशन पत्र उपलब्ध करवाने, नामांकन पत्र प्राप्त करने तथा निर्वाचन संबंधी आवश्यक कार्यों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संपादित किया जा रहा है। इस दौरान प्रशिक्षु आरएएस अंकिता पाराशर, सहायक रिटर्निंग अधिकारी सुनील कुमार, सुरेश कुमार व्यास, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, लक्ष्मण कुमावत, अभिषेक चर्तुवेदी,युजवेन्द्र खेमलानी, जयपाल सिंह, ताराचंद सेजू, मीठालाल चांवरिया, शाहिल जोशी सहित अन्य कार्मिक मौजूद रहे।

वहीं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ बजरंगसिंह ने बताया कि चुनाव घोषणा कार्यक्रमानुसार जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान प्रथम चरण में 22 अक्टूबर, 2026 (गुरुवार), द्वितीय चरण में 28 अक्टूबर, 2026 (बुधवार) को होगा। इसी प्रकार पंचायतीराज संस्थाओं के पंच व सरपंच पद के लिए मतदान प्रथम चरण में 24 अक्टूबर, 2026 (शनिवार), द्वितीय चरण में 30 अक्टूबर, 2026 (शुक्रवार) को करवाए जाएंगे।

इस संबंध में मतदान दिवस को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

न्यायालय : जिला न्यायाधीश, जालोर (राज.)

बड़जलास : श्री बन्ना लाल जाट" आर. जे. एस" (जिला जज संवर्ग)

दी.वि. प्रकरण संख्या: 04/2026

तारीख पेशी :-20.11.2026

सुमन कंवर पत्नि वागसिंह जी उम्र 60 वर्ष जाति राजपूत निवासी राजपूतो का वास, भागली सिंधलान, तहसील व जिला जालोर मो.नं. 9928436201 ...प्रार्थीया

बनाम

हर आम व खास ...अप्रार्थी

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम

हर आम व खास को जरिए नोटिस सूचित किया जाता है कि प्रार्थीया ने प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीया के देवर स्व. शैतानसिंह पुत्र भूरसिंह जी जाति राजपूत निवासी भागली सिंधलान, तहसील व जिला जालोर के नाम से भारतीय जीवन बीमा निगम जालोर, मण्डल कार्यालय जोधपुर में एल.आई.सी. पॉलिसी संख्या 108828578 बीमा धन रूपये 2,00,000/- मय ब्याज को प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकारी सुमन कंवर वारिसान होने से प्रार्थीया सुमन कंवर के नाम से उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी करने का प्राथना पत्र पेश किया।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर ऐतराज हो तो असालतन असालतन/वक / वकालतन न्यायालय में आगामी तारीख पेशी 20.11.2026 को पेश करे, अन्यथा नियमानुसार आदेश पारित किया जाएगा।

नोटिस आज दिनांक 05.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

मोहर अदालत

आदेशानुसार-वरिष्ठ मुंसरिम जिला न्यायालय जालोर (राज.)

नोटिस वास्ते हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूचि

संख्या - 4 न्यायालय श्रीमान अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या-1, बाडमेर

पीठासीन अधिकारी नाम सुश्री सिम्पल राम (RJS)

प्रार्थीगण बनाम विप्रार्थीगण

मोहिनी वगैरा मनोज वगैरा

प्रार्थना अन्तर्गत आदेश 39 नियम 1 व 2 सहपठित धारा 151 सिविल प्रक्रिया संहिता

वास्ते पाने अस्थाई निषेधाज्ञा

दीवानी विविध संख्या 39/2026

विप्रार्थीगणः सेवाराम पुत्र तुलसीराम व कोशल्यादेवी पत्नी सेवाराम, जातियान सोनी, निवासीयान-सेक्टर नम्बर 11, चौपासनी हाउसींग बार्ड, जोधपुर मौः-9413863431

प्रार्थीगण मोहिनी वगैरा ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि क्यो न प्रार्थीगण के आवेदन को स्वीकार किया जाकर अस्थायी निषेधाज्ञा जारी कर दी जावे।

अतः आपको चेतावनी दी जाति है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 31.10.2026. को 10:00 बजे स्वंय या अपने अभिभाषक द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो। यदि ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और निपटारा एकपक्षीय रूप से किया जाएगा।

आज दिनांक 12.10.026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई है।

आज्ञानुसार

(सीनियर रीडर)

मोहर अदालत

अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 1, बाडमेर

रेवत विद्यालय में कन्या पूजन कार्यक्रम संपन्न

जालोर, (का.सं.)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रेवत (जिला जालोर) में आज संस्कार सिंचन के सार्थक एवं सकारात्मक अभियान के तहत भव्य "कन्या पूजन" कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस आयोजन का मूल उद्देश्य बालिकाओं के प्रति समाज में सम्मान, समरसता, स्वाभिमान, सुरक्षा और सात्विकता के भाव को सुदृढ़ करना तथा नई पीढ़ी में सकारात्मक वैचारिक दृष्टिकोण का बीजारोपण करना था।

पारंपरिक एवं भावपूर्ण विधि से हुआ कन्या पूजन

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बालको एवं शिक्षकों द्वारा बालिकाओं के चरण धोकर, तिलक लगाकर, मौली बांधकर, माला पहनाकर और आरती उतारकर उनका भावपूर्ण पूजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों ने बालिकाओं को पेन, कॉपियां, कलर, ड्राइंग बुक, परीक्षा तख्ती (पाटिया) और उपयोगी शिक्षण सामग्री उपहार स्वरूप भेंट की।

विशेष उपहार के रूप में बालिकाओं को गुल्लक भी भेंट किया गया ताकि बचपन से ही बचत का भी स्वभाव और संस्कार जागृत हो। संपूर्ण प्रांगण "भारत माता की जय" और वैदिक मंत्रोच्चार के उद्घोष से गुंजायमान रहा।



राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रेवत (जिला जालोर) में संस्कार सिंचन के सार्थक एवं सकारात्मक अभियान के तहत कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) भंवरलाल तथा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ममता अग्रवाल उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

जिला शिक्षा अधिकारी भंवरलाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी सम्मान सदैव सर्वोपरि रहा है। विद्यालयों में ऐसे आयोजनों से छात्रों के मन में सहपाठी छात्राओं और नारी शक्ति के प्रति आदर व पूज्य भाव जागृत होता है, जो स्वस्थ समाज के निर्माण की नींव है।

जालोर के विद्यालय से प्रारंभ होकर यह परंपरा अब राज्य व्यक्ति एवं राष्ट्रव्यापी हो रही है, यह हम सभी के लिए गौरव की बात है। उम्र के साथ किशोरावस्था में आने वाले परिवर्तनों के साथ स्वभाव में स्थिरता बनी रहे, देखने का, सोचने का और मन का संयम बना रहे इसीलिए कन्या पूजन है।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ममता अग्रवाल ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कन्या पूजन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि बालिकाओं के मन में आत्मविश्वास का संचार करनो, बालकों को नारी सम्मान का प्रशिक्षण देने वाला और समाज में समरसता लाने का एक सशक्त मनोवैज्ञानिक माध्यम है।

सामूहिक रूप से, सार्वजनिक रूप से जब कोई छात्र किसी नन्ही बालिका के पैर धो रहा होता है तो केवल पैर ही नही धुलता, परिवेश में मौजूद विभिन्न माध्यमो से आई मन की कलुषता भी धूल जाएगी, मन की विकृतियां भी साफ होगी। एक सार्थक सकारात्मक वातावरण बनेगा। मन को संस्कारित करना ,यही एक मार्ग है दुष्कर्म-छेड़छाड़ की घटनाओं पर नियंत्रण का।

संस्था प्रधान छगनपुरी गोस्वामी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि शिक्षण केवल एक वृत्ति मात्र नहीं, बल्कि समाज और देश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक पवित्र दायित्व है। उन्होंने कहा कि विद्यालय ही समाज में व्यापक परिवर्तन के प्रमुख केंद्र बन सकते हैं, और ऐसे आयोजनों से बच्चों में कर्तव्य भाव व परिवार भाव का विकास होता है।

कार्यक्रम के प्रेरक एवं इतिहास व्याख्याता संदीप जोशी ने आयोजन के वैचारिक पक्ष को रखते हुए बताया कि "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:" की भावना को केवल ठांथों तक सीमित न रखकर जीवन और विद्यालयी माहौल में उतारना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है।

उन्होंने रेखांकित किया कि बाल्यावस्था से किशोरावस्था की ओर बढ़ते हुए बालकों के मन-मस्तिष्क को नकारात्मक माध्यमों से बचाने के लिए विद्यालय और गली-मोहल्लों में ऐसे सार्